VVPAT मशीनें

प्रलिमि्स के लयि:

ECI, VVPAT, रमिोट इलेक्ट्रॉनकि वोटगि मशीन, आदर्श आचार संहति

मेन्स के लयि:

भारतीय चुनावों में VVPAT प्रणाली के समक्ष चुनौतयिाँ, भवषि्य के चुनावों में VVPAT प्रणाली की वशि्वसनीयता और पारदर्शता सुनशि्चति करने हेतु संभावति समाधान, VVPAT तथा स्वतंत्र एवं नषि्पक्ष चुनाव

चर्चा में क्यों?

मतदाता सत्यापति पेपर ऑडटि ट्रेल (VVPAT) मशीनों में पारदर्शता की कमी एवं इसकी खामयिों तक राजनीतकि दलों की अपर्याप्त पहुँच के कारण**भारत नरि्वाचन आयोग** की आलोचना की गई थी।

नरि्वाचन आयोग (EC) की आलोचना:

- नरि्वाचन आयोग ने **6.5 लाख VVPAT मशीनों को दोषपूर्ण** के रूप में पहचानने के बारे में राजनीतकि दलों को सूचति नहीं कयिा है।
  - जनि मशीनों में खामयिाँ पाई गई हैं,**उनकी संख्या वर्ष 2019 के लोकसभा चुनाव में इस्तेमाल की गई कुल मशीनों की संख्या के 1/3 (37%) से अधकि है तथा ये पछिले आम चुनाव एवं बाद के वधिानसभा चुनावों में मतदाताओं को प्रभावति कर सकती थीं।**
  - वभिन्नि नरि्माताओं के पूरे बैच में लगातार क्रम संख्या वाले हज़ारों VVPAT खराब पाए गए हैं।
  - खामयिाँ इतनी गंभीर हैं कि मशीन नरि्माताओं को वापस कर दी गई हैं।
- नरि्वाचन आयोग ने उन मानक संचालन प्रक्रयिाओं **(आदर्श आचार संहति)** का पालन नहीं कयिा, **जनि्हें पैनल ने अपने लयि तैयार कयिा था, इसके तहत फील्ड अधकिारयिों को 7 दनिों के भीतर कसिी भी दोष की पहचान करने की आवश्यकता होती है।**
  - **नरि्वाचन आयोग द्वारा पारदर्शता सुनशि्चति कर नरि्वाचन प्रक्रयिा में जनता के वशि्वास एवं भरोसे को बहाल करने की ज़रूरत है।**

VVPAT मशीन:

- **परचिय:**
  - **VVPAT** इलेक्ट्रॉनकि वोटगि मशीन **(Electronic Voting Machines- EVM)** से संबंधति एक स्वतंत्र सत्यापन प्रटिर मशीन है जो मतदाताओं को यह **सत्यापति करने की अनुमति देती है कि उनका वोट उचति तरीके से दर्ज कयिा गया है।**
    - VVPAT मशीन EVM पर बटन को क्लकि करने के बाद लगभग 7 सेकंड हेतु मतदाता द्वारा चुनी गई पार्टी के नाम एवं प्रतीक के साथ पर्ची को प्रटि करती है।
  - **VVPAT मशीनों को पहली बार भारत में वर्ष 2014 के लोकसभा चुनावों** में उपयोग कयिा गया था, जसिका उद्देश्य **पारदर्शता सुनशि्चति करना एवं EVM की सटीकता के बारे में संदेह को खत्म करना था।**
    - **VVPAT मशीनों तक केवल मतदान अधकिारी ही पहुँच सकते हैं।**
  - ECI के अनुसार, **EVM और VVPAT अलग-अलग संस्थाएँ हैं जो कसिी भी नेटवर्क से जुड़ी नहीं हैं।**

//

- **चुनौतियाँ:**
  - **तकनीकी खराबी:**
    - VVPAT मशीनों के संदर्भ में प्राथमिक चिंताओं में से एक तकनीकी खराबी की संभावना है। मशीनों को मतदाता द्वारा डाले गए वोट की एक कागज़ी रसीद प्रिंट करनी होती है, जिसे बाद में एक बॉक्स में जमा कर दिया जाता है।
    - हालाँकि मशीनों के खराब होने के उदाहरण सामने आए हैं, जिसके **परिणामस्वरूप गलत प्रिंटिंग हो गई है या कोई प्रिंटिंग नहीं हुई है।**
  - **पेपर ट्रेल्स का सत्यापन:**
    - एक अन्य चुनौती VVPAT मशीनों द्वारा उत्पन्न पेपर ट्रेल्स का सत्यापन है।
      - भले ही वोटिंग मशीनों को वोट का भौतिक रिकॉर्ड प्रदान करने के लिये अभिकल्पित किया गया है, **परंतु यह हमेशा स्पष्ट नहीं होता है कि इस रिकॉर्ड की पुष्टि कैसे की जा सकती है,** खासकर जब भौतिक और इलेक्ट्रॉनिक रिकॉर्ड के बीच असमानता हो।
  - **मतदाताओं का विश्वास:**
    - खराब VVPAT मशीनों की हालिया रिपोर्टों के कारण चुनावी प्रक्रिया में जनता के विश्वास में और अधिक कमी आई है।
    - चुनाव आयोग की ओर से पारदर्शिता और जवाबदेही की कमी के कारण चुनावों की निष्पक्षता एवं सटीकता पर सवाल उठने लगे हैं।
    - सर्वोच्च न्यायालय ने ***[illegible] (2013)*** में कहा था कि "[स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव]() के लिये VVPAT अनिवार्य" है।

आगे की राह

- **नियमित देखभाल:**
  - तकनीकी खराबी के मुद्दे को हल करने का एक तरीका यह है कि मशीनों का नियमित रखरखाव सुनिश्चित किया जाए। निर्वाचन आयोग को समय-समय पर मशीनों में किसी भी गड़बड़ी की पहचान करने और उसे दूर करने के लिये नियमित रखरखाव तथा परीक्षण की एक प्रणाली स्थापित करनी चाहिये।
- **पारदर्शिता में वृद्धि:**
  - पेपर ट्रेल्स के सत्यापन संबंधी चिंताओं को दूर करने के लिये निर्वाचन आयोग को चुनावी प्रक्रिया में पारदर्शिता में वृद्धि करनी चाहिये। यह राजनीतिक दलों और जनता को VVPAT मशीनों के कामकाज़ एवं सत्यापन की प्रक्रिया के बारे में अधिक जानकारी प्रदान करके किया जा सकता है।

- **जवाबदेही:**
    - निर्वाचन आयोग को दोषपूर्ण VVPAT मशीनों की ज़िम्मेदारी लेनी चाहिये और यह सुनिश्चित करने हेतु कदम उठाने चाहिये कि भविष्य में ऐसी घटनाएँ न हों।
        - मशीनों के रखरखाव और परीक्षण के लिये ज़िम्मेदार लोगों की जवाबदेही हेतु प्रणाली स्थापित करके इसे सुनिश्चित किया जा सकता है।
- **अनुसंधान और विकास:**
    - इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग के क्षेत्र में चल रहे अनुसंधान और विकास को जारी रखने की आवश्यकता है। चुनावी प्रक्रिया की सटीकता, सुरक्षा एवं पारदर्शिता में सुधार हेतु नई तकनीकों तथा नवाचारों पर ध्यान केंद्रित किया जाना चाहिये।

UPSC सिविल सेवा परीक्षा, विगत वर्ष के प्रश्न

??????:

प्रश्न. इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) के इस्तेमाल संबंधी हाल के विवाद के आलोक में भारत में चुनावों की विश्वसनीयता सुनिश्चित करने के लिये भारत के निर्वाचन आयोग के समक्ष क्या-क्या चुनौतियाँ हैं? **(2018)**

स्रोत: द हिंदू

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/vvpat-machines-1